A REPORT

ON

INTERNATIONAL SEMINAR

ON

BHARATIYA SAHITYA KA ANTARARASHTRIYA PARIPREKSHA

भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष

16th AND 17th FEBRUARY 2018

ORGANISED BY

DEPARTMENT OF HINDI

B.L.D.E. Association,

S. B. ARTS AND K.C.P. SCIENCE COLLEGE,

VIJAYAPUR-586103

Scanned by CamScanner

B.L.D.E.ASSOCIATION'S
S. B. ARTS AND K. C. P. SCIENCE COLLEGE, VIJAYAPUR
ACCREDITED at 'A' Grade in 3rd Cycle by NAAC
Phone: (08352) – 261766, (08352) 262770 Extn. 2223, 2224
Fax: 08352 – 261766 E-mail: bldeasbkcp@gmail.com Web: www.bldeasbkcp.org

REF/ No: Date: 10/2/2018

NOTICE

DEPARTMENT OF HINDI

The department of Hindi is organizing Two Days International Seminar on **'Bharatiy Sahitya Ka Antarrashtriya Paripreksha'** on 16th And 17th February 2017 at 10:00 am. All the staff Members and Students are cordially invited to attend the Seminar.

HOD
Department of Hindi

S. L. POWAR
Head, Dept. of Hindi,
S. B. Arts & K. C. P. Science
College, BIJAPUR.

IQAC Coordinator

IQAC, Co-ordinator
S.B.Arts & K.C.P.Science College,
Vijayapur.

Principal,
S.B. Arts & K.C.P. Sc. College
Bijapur.

Scanned by CamScanner

बी.एल्.डी.इ. संस्था

एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय

विजयपुर (कर्नाटक)

तथा

रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ

के तत्वावधान में

भारतीय साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

विषय पर

द्वि दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 16 तथा 17 फरवरी, 2018

: स्थान :

सभागार, एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय

श्रीमती बंगारम्मा सज्जन परिसर, बी.एम्. पाटील रोड, विजयपुर-586103. कर्नाटक (भारत)

Scanned by CamScanner

भारतीय साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

विषय पर

द्वि दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

शुक्रवार दिनांक 16-02-2018, पंजीकरण – प्रात : 10:00 -11:00

उद्घाटन समारोह

उद्घाटन सत्र : प्रात : 11:00 - 01:30

अध्यक्ष : **डॉ. एम.बी. पाटील**
जलसंसाधन मंत्री, कर्नाटक सरकार
तथा अध्यक्ष, बी.एल.डी.इ. संस्था, विजयपुर

उद्घाटक : **श्री विष्णु खरे**
प्रसिद्ध आलोचक, मुंबई

बीज भाषण (हिन्दी) : **डॉ. रामप्रसाद भट्ट**
भारतीय और तिब्बती संस्कृति एवं इतिहास विभाग,
हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी

बीज भाषण (कन्नड) : **डॉ. एन्. अमरेश**
प्रसिद्ध कथाकार, कन्नड विश्वविद्यालय, हंपी

मुख्य अतिथि : **डॉ. सविता**
अमेरिका
: **वेनिस्सा असेवेडो**
संस्कृत विदुषी, मान्द्रेलिया, केनडा

अतिथि : **श्री विष्णुलाल कुमाल**
अध्यक्ष, अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान, नेपाल
: **श्री जीनू जी**
प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, नेपाल

पुस्तक लोकार्पण : **प्रो. टी.वी. कट्टीमनी**
कुलपति, इंदिरा गांधी जनजातीय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय,
अमरकंटक (मध्य प्रदेश)

भोजनावकाश – दोपहर : 01:30 - 02:30

अध्यक्ष : **प्रो. ऋषभ देव शर्मा**
पूर्व अध्यक्ष, उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान,
दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद

विषय प्रवर्तक : **डॉ. हरीश अरोडा**
हिन्दी विभाग, पी.जी.डी.ए.पी. कॉलेज (संध्या) नई दिल्ली
विषय : हिन्दी साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

: **प्रो. प्रभाशंकर 'प्रेमी'**
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, बेंगलूरु विश्वविद्यालय, बेंगलूरु
विषय : कन्नड साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

: **प्रो. शांति नायर**
हिन्दी विभाग, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालाडी, केरल
विषय : मलियालम् साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

: **प्रो. श्रीमती प्रभा भट्ट**
हिन्दी विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड
विषय: कोंकणी कहानियाँ : नारी तथा वृध्द विमर्श के संदर्भ में

द्वितीय सत्र – दोपहर : 04:00 - 05:30

प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों द्वारा प्रपत्र प्रस्तुति

अध्यक्ष : **डॉ. दत्तात्रय मुरूमकर**
प्राध्यापक, हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई

संगीत संध्या – सायंकाल : 06:30 - 08:30

एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय, विजयपुर
पूर्व विद्यार्थी संघ द्वारा प्रायोजित संगीत संध्या
कलाकार : शिवरंजनी, सोलापुर

शनिवार दिनांक 17-02-2018

तृतीय सत्र – प्रातः 10:00 - 11:30

अध्यक्ष : **श्री विष्णु खरे** प्रसिद्ध आलोचक, मुंबई

विषय प्रवर्तक : **प्रो. प्रतिभा मुदलियार** हिन्दी विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर
विषय : मराठी नाटक विकास यात्रा

: **डॉ. रहीम खान पठान**
हिन्दी विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद
विषय : तेलुगु साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

: **डॉ. ए.डी. चावडा**
हिन्दी विभाग, श्री एम.बी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
गोंडल, राजकोट, गुजरात
विषय : गुजराती उपन्यास साहित्य

Scanned by CamScanner

संगोष्ठी का विषय - भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य 16th and 17th February - 2018

हिंदी विभाग

Sl.No	Name	College	Mobile Number	Signature
(1)	Kusuma Salimath 1st	S.P. P.U. college Tordal	~~87224 87422~~ 8722477373	
2.	Varsharani Jabade	Research Scholar, Department of Hindi Karnatak University, Dharwad.	9886378460	
3.	Amol Tukaram Patil	Research Scholar Dept of Hindi Karnatak University Dharwad	9535981265	
4.	Vaishali Venkatesh Kumbhar	Guest lecturer K.L.E. Society's M.S. Hosamani College. Khanapur.	9620520728	
✗5.	Dr. Shakeela. Gorikhan	Assi. professor, P.G. Dept. of studies in Urdu & persian Karnatak. University Dharwad.	9740825714	For
(6)	Prof. Sunilkumar. S. Yadav	Prof. V.V.S. Arts Commerce and BCA College (Darbar) Vijayapur.-586104.	8277555220.	
07.	Shivarajkumar Kallur	Karnatak University, Dharwad	9535891064	For

Sl. No	Name	College	Mobile	Sign
49	Meenaxi B. Patil	Basaveshwar Arts & Commerce College Basavan Bagewadi.	8762519941	[signature]
50	Dr. S. C. Angadi.	M.G.V.C. College. Muddebihal.	9972706974	[signature]
51	Shaik Parvin Begum Sk. Ibrahim	Karnatak University Dharwad	9767722171	[signature]
52	Dr. NEETA D. BHOSALE Asstt Prof in Hindi	Govt First Grade College Kamalapur Dist. Hubbali.	9901361333	[signature]
53	Sheela. S. Changle	Karnatak University Dharwad.	9945345830	[signature]
54	Mallikarjun. P. Goudaganvi	Basaveshwar Commerce College Bagalkot	9743589929	[signature]
55	Dr. H. M. Attar	S.R.N. Arts & M.B.S. Commerce College, Bagalkot	9449316827	[signature]
56	Prof. A.V. Suryavanshi	Com, BHS Arts & TG P. Sci. College, Jamkhandi	9741713700	[signature]
57	Dr. Smt: B.S. Gangonalli – Dept of Kannada.	Govt First Grade Women's college Belagavi	8971891017	[signature]
(cash) 58	prof: K. M. Ramareddi Dept of Kannada	KLE Society's SVS Bellubbi Arts & Commerce College Saundatti		K. M. Ramareddi
(cash) 58	Dr. SHAILAJA T. HOTAKAR	Akkamahadevi Women's University Vijayapur.	7338343613	[signature]
59	Dr. KAMALARANI. H	Akkamahadevi Women's University Vijayanagar.	9844333925	Kamalarani
60	Dr. H. Ramadevi	Kakatiya University, Arts college, Warangal Telangana.	9963145850	[signature]
	Dr. K.V. KRISHNA MOHAN	Maris Stella College (Autonomous) Vijayawada	9441748429	[signature]

15000/- cash 16/02/17

Sl No	Name		College	Mobile	Sign
63	Dr M. Siddaiya		Hindi B Ed College Shivamogga	e Ravi... 9448244093	[signature]
64,	Shivashankar		"	— " —	ಐಡಿ ಕಪ್ಪ... e Ravi kumar
* 65 61	Dr. Vilas [signature]		Govt. first Grade college Sedam Dist. Kalburgi	9901096870	[signature]
* 66 62	Dr. Rajabai Pandurang [signature]		Govt first Grade college Humnabad Dist Bidar	8618276277	[signature]
* 67 63	Dr. Sunanda. V. Kamble. [signature]		S.T.C. Arts and commerce college. banahatti	8073144759.	[signature]
* 68 64	Mirza Rahisa Yasinbeg [signature]		S.S.A. Arts and commerce college solapur	9921303635	[signature]
69 65	Banaja Taldi, Research scholar [signature]		MANUU, Hyderabad	9440214888	[signature]
* 70 66	Dilshad Ahammad [signature]		MANUU, Hyderabad	9440214888	[signature]
71 67	Dr. Vidyavati G. Rajput [signature]	KLE'S	S.K Arts College Hubballi	9845310382	[signature]
72 68	Dr. M.S. Basammanavar	KLE'S	P.C. Jabin Science college Hubballi	9945345830	[signature]
73 69	Dr. L P. Lamani	K. U. Dharwad		9978806756	[signature]
74 70	Dr K. A Patil (STM) [signature]	ಶಂಕರ ಸ್ಮೃತಿ	ಶಿವಾನಂದ...ರ ...	9902345042.	[signature]
75 71	G. Padmavathi [signature]		Research scholar Hubballi	9442148888	[signature]

5 books had taken by Hugar sir (Kannada)

15,000 Prof S.T. Merwade
5,000 Prof A.S. Dixit.

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन

दिनांक : 16 तथा 17 फरवरी, 2018 को बी.एल.डी.इ संस्था के एस. बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय में रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्रध्यापक संघ के तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर दुवि दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शुक्रवार दि. 16-2-2018 को अमेरिका से पधारी डॉ. सविता गौर ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ''भारत का भविष्य बदल रहा है। भारत की वैविध्यमय संस्कृति ने भारत को एक बनाया है। इस अनूठी संस्कृति को आनेवाली पीढी को अवगत कराने की आवक्तव्यता है।'' बीजव देते हुए हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के प्रो. रामप्रसाद भट्ट ने कहा कि भारतीय साहित्य में हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ स्थान है। भारतीय साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद हो रहा है। हिन्दी साहित्य की प्राचीनता तथा उसकी परंपरा बहुत ही विशाल है। कालिदास का साहित्य तथा पंचतंत्र की कहानियों का अनुवाद जर्मन भाषाओं में हुआ है। इसी संदर्भ में हारूगेरी अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. वी. एस. माळी ने कहा कि भाषाएँ दीवारें बनाती हैं और अनुवाद इन दीवारों को गिराता हैं। ऐसी दीवारों को गिराने के लिए ऐसी संगोष्ठियों की आवश्यकता है। वैश्विक परिदृश्य में कन्नड के अस्तित्व को उजागर करने की आवश्यकता है। कन्नड के वचन साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने का स्तुत्य कार्य हुआ है। नेपाल के अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री विष्णुलाल कुमाल ने कहा कि भारतीय भाषाओं के साहित्य को विश्व स्तर पर अनुवाद के माध्यम से पहुँचाकर उसको गौरवान्वित करने की आवश्यकता है। इसी सत्र में डॉ. एस. टी. मेरवाडे, डॉ. एस. एस. तेरदाल, डॉ. एस. जे पवार, डॉ. एस. जे. जहागीदार दुवारा हिन्दी संपादित 'भारतीय भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' कन्नड में प्रो. बी. बी. डेंगनवर, डॉ. आर. वी. पाटील, प्रो. एस. एम. नालवतवाड तथा डॉ. एम. एस. मागणगेरी दुवारा संपादित 'महोन्नत' तथा 'विहंगम'; डॉ. एस. जे. पवार, प्रो. धन्यकुमार बिराजदार, डॉ. परमेश्वर पाटील, प्रो. गंगाधर गेंड दुवारा मराठी में संपादित 'भारतीय साहित्याचा आंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष' प्रो. जी. आर. अंबली, तथा प्रो. के. एच. काखंडकी दुवारा संस्कृत में संपादित 'संस्कृत सुगंधः' पुस्तकों का लोकार्पण केनडा की वेनिसा असविडो ने किया। बी.ए.डी.इ. विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बी. जी. मूलिमनी ने अध्यक्षता की। मंच पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. जी. पुजारी, नेपाली फिल्म अभिनेता जीनू जी, बी.एल.डी.इ. संस्था के प्रशासनिक अधिकारी प्रो. बी. आर. पाटील आदि मंच पर उपस्थित थे।

संगोष्ठी का प्रथम सत्र का आरंभ प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (संध्या), दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. हरीश अरोडा ने 'हिन्दी साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया। बेंगलूर विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभाशंकर 'प्रेमी' ने कन्नड साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर अपने विचार व्यक्त किए। शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालाडी (केरल) की हिन्दी विभाग की प्रो. शांति नायर ने 'मलियालम साहित्य के अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर अपने विचार अभिव्यक्त किए। कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड, हिन्दी विभाग की प्रो. (श्रीमती) प्रभा भट्ट ने कोंकणी कहानियाँः स्त्री तथा वृद्ध विमर्श' पर अपने विचार व्यक्त किए। कुवेंपु विश्वविद्यालय, हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. उमा हेगडे ने गिरीश कर्नाड के नाटकों पर अपने विचार व्यक्त किए।

Scanned by CamScanner

बी.एल.डी.इ. संस्था के एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय, विजयपुर के पूर्व विद्यार्थी संघ की ओर से आयोजित 'शिवरंजनी' संगीत संध्या का आनंद प्रतिभागियों ने उठाया ।

दिनांक 17-2-2018 को कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. एस. के. पवार की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र सम्पन्न हुआ। इस सत्र में मैसूर विश्वविद्याल की हिन्दी विभागे की प्रो. प्रतिभा मुदलियार ने 'मराठी नाटक विकास यात्रा' पर अपने विचारों को व्यक्त किया। मौलाना आजाद केंद्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद हिन्दी विभाग के डॉ. रहीम खान पठान ने 'तेलुगु साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर अपने विचारों को अभिव्यक्त किया। श्री एम. बी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गोंडल, राजकोट (गुजरात) के डॉ. ए. डी. चावडा ने 'गुजराती उपन्यास साहित्य' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

तृतीय सत्र में कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कांबले की अध्यक्षता में अनेक प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने प्रपत्र पस्तुथ किए ।

समारोप समारोह में डॉ. व्ही. एस. माळी ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय ने संगोष्ठी सभी के लिए एक आदर्श स्थापित किया है । ऐसी संगोष्ठियों से प्रेरणा मिलती है । काडसिध्देश्वर महाविद्यालय, हबळ्ळी की हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. विद्यावती रजपूत ने अपने अनुभवों को व्यक्त किया । बी.एल.डी.इ. विश्वविध्यालय के कुलपति डॉ. एम. एस. बिरादार ने समारोह की अध्यक्षता की । मंच पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. जी. पुजारी, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जी. आर. अंबली, प्रो. बी. बी. डेंगनवर, डॉ. एस. जे. पवार, डॉ. एस. जे. जहागीरदार, प्रो. ए. एम. सिद्दीकी आदि उपस्थित थे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एस. टी. मेरवाडे ने कार्यक्रम का संचालन किया। राष्ट्रगीत के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ ।

IQAC Co-ordinator

IQAC, Co-ordinator
S.B.Arts & K.C.P.Science College,
Vijayapur.

Principal,
S. B. Arts & KCP Sc. College,
Bijapur

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner